एक कदम संस्कारों की ओर

संस्कार जागृति मिशन

संस्कार जागृति

अंक-01 वर्ष-01, अप्रैल 2019 (मासिक)

"अच्छे संस्कार सुगन्धित फूल की तरह हैं, जहां खिलेंगे, वहीं सुगंधी फैलायेंगे"

- डा.अर्चना प्रिय आर्य

संस्कार जागृति

''संस्काराद् द्विज उच्यते''

(संस्कारों से परिष्कृत मनुष्य ही द्विज कहलाते हैं)

(भारतीय संस्कृति व संस्कारों को पुन: जागृत करने में अहम भूमिका निभा रही संस्था 'संस्कार जागृति मिशन' को समर्पित डिजीटल पत्रिका)

अंक-01 वर्ष-01, संवत्सर 2076 अप्रैल 2019 (मासिक)

मार्गदर्शक
आचार्य सत्यप्रिय आर्य
डा.अर्चना प्रिय आर्य

संपादक
विवेक प्रिय आर्य

सृष्टि संवत्
1960853120

कार्यालय
संस्कार जागृति मिशन
52, ताराधाम कॉलोनी
नियर पुष्पांजलि द्वारिका
टाउनशिप (मथुरा) उ.प्र.

दूरभाष
09719910557
09719601088
09058860992

अनुक्रमणिका

लेख-कविता	पृष्ठ संख्या
वेदवाणी	03
शुभकामना संदेश	04-05
सम्पादकीय	06
संस्कार किसे कहते हैं	07
कवि की कलम से	08
संस्कार जागृति मिशन की आवश्यकता क्यों	09
स्वास्थ्य चर्चा	10
संस्कार जागृति मिशन की गतिविधियां	11-13
संस्कार जागृति मिशन का साहित्य	14
विज्ञापन	15-16

'संस्कार जागृति' पत्रिका प्राप्त करने के लिए

अपनी ई-मेल आईडी व व्हाट्सएप नम्बर हमें भेजें........09719910557

वेद वाणी

हे तेजस्वरूप! आप हमारी बुद्धि को सन्मार्ग पर प्रेरित करें

वेद मंत्र

ओ३म् तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्।।

-ऋ० ३। ६२ । १०; यजु० ३ । ३५; साम० उ० ६ । ३ । १० ।।

ऋषिः-**विश्वामित्रः**।। देवता-**सविता**।। छन्दः-**गायत्री**।।

विनय

मुझे क्या करना चाहिए क्या नहीं-यह मैं नहीं जानता। किस समय क्या कर्तव्य है क्या अकर्तव्य है, क्या धर्म है क्या अधर्म है-यह मैं नहीं जान पाता। सुना है कि बड़े-बड़े ज्ञानी भी बहुत बार इस तरह किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाते हैं, परंतु क्या इसका कोई इलाज नहीं? हे सवितः देव! हमारे उत्पादक देव! क्या तूने हमें उत्पन्न करके इस अंधेरे संसार में यूंही छोड़ दिया है? कोई निर्भ्रान्त (निश्चित) प्रकाश हमारे लिए तुमने नहीं दिया है-यह कैसे हो सकता है? नहीं तुम अपने अनंत प्रकाश के साथ सदा हमारे हो। यदि हम चाहें और यत्न करें तो तुम हमें अपने प्रकाश से आप्लावित कर सकते हो। इसके लिए हम आज से ही यत्न करेंगे और तेरे उस 'भर्ग' (विशुद्ध तेज) को अपने में धारण करने लगेंगे जो वरणीय है, जिसे हर किसी को लेना चाहिए- जिसे प्रत्येक मुनष्य-जन्म पाने वाले को अपने अंदर स्वीकार करने करने की आवश्यकता है। इस तेरे वरणीय शुद्धस्वरूप का हम जितना श्रवण, मनन, निदिध्यासन करेंगे अर्थात् जितना तेरा कीर्तन सुनेंगे, तेरा विचार करेंगे, तुझमें मन एकाग्र करेंगे, तेरा जप करेंगे, तुझमें अपना प्रेम समर्पित करेंगे उतना ही तेरा शुद्धस्वरूप हमारे अंदर धारण हो जायेगा। बस, यह ऊपर से आता हुआ तुम्हारा तेज ही हमारी बुद्धि को और फिर हमारे कर्मों को ठीक दिशा में प्रेरित करता रहेगा। इस शुद्धस्वरूप के साथ तुम ही मेरे हृदय में बस जाओगे और तुम ही मेरी बुद्धि, मन आदि-सहित इस शरीर के संचालक हो जाओगे। फिर धर्म-अधर्म की उलझन कहां रहेगी! तुम्हारे पवित्र संस्पर्श से इस शरीर की एक-एक चेष्टा में शुद्ध धर्म की ही वर्षा होगी। इसलिए हे प्रभो! हम आज से सदा तुम्हारे शुद्ध तेज को अपने में धारण करने में लगते हैं। एक-एक मानसिक विचार के साथ, एक-एक जप के साथ इस तेज का अपने अंदर आह्वान करेंगे और इस तरह प्रतिदिन इस तेज को अपने में अधिकाधिक एकत्र करते जायेंगे। निश्चय है कि इस 'भर्ग' की प्राप्ति के साथ-साथ धर्म के निश्चय में पटु होती हुई हमारी बुद्धि एक दिन तुम्हारी सर्वज्ञता के कारण पूर्ण रूप से ठीक मार्ग पर चलने वाली हो जायेगी।

शब्दार्थ

सवितुः- प्रेरक, उत्पादक **देवस्य**- परमात्मदेव के **तत्**- उस **वरेण्यम्**- वरने योग्य **भर्गः**- शुद्ध तेज को **धीमहि**- हम धारण करते हैं, ध्यान करते हैं **यः**-जो धारण किया हुआ तेज **नः**- हमारी **धियः**- बुद्धियों को, कर्मों को **प्रचोदयात्**- सदा सन्मार्ग पर प्रेरित करता रहे।

('आचार्य अभयदेव जी' की पुस्तक 'वैदिक विनय' से)

शुभकामना संदेश

वात्सल्य ग्राम

दीदी माँ
साध्वी ऋतम्भरा
अधिष्ठात्री

शुभेषणाएं

दिनॉक- ०५.०४.२०१९

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि संस्था 'संस्कार जागृति मिशन' अपने उद्देश्य को जन-जन तक पहुँचाने के लिए डिजिटल पत्रिका जारी कर रही है। मानवीय जीवन मूल्यों को खोते जा रहे इस युग में भारतीय संस्कृति ही एक ऐसा पथ है, जिसका अनुगमन कर मनुष्यता को बचाया जा सकता है। भारत के वैदिक युग ने संसार को दिशा दी थी। आज फिर से आवश्यकता है कि हम उन्हीं वैदिक जीवन मूल्यों का प्रचार कर सारे विश्व को पुनः समग्र विकास के पथ पर अग्रसर करें।

मुझे विश्वास है कि आपके द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका वैदिक सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाकर अपने उद्देश्य में सफल होगी। संस्था के प्रति अनन्त शुभकामनाओं सहित -

साध्वी ऋतम्भरा

(दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा)

मथुरा वृन्दावन मार्ग, वृन्दावन-285003, उ०प्र० दूरभाष : 0565-2456888 टैली फैक्स : +91-565-2442010
मुख्य कार्यालय : लव 103, अग्रसेन आवास, 66, इन्द्रप्रस्थ विस्तार, दिल्ली-110092
e-mail : vatsalyagram@hotmail.com Web : www.vatsalyagram.org

शुभकामना संदेश

श्री कृष्ण कृपा

जीओ गीता के संग, सीखो जीने का ढंग

म.मं. गीता मनीषी
स्वामी श्री ज्ञानानन्द
जी महाराज

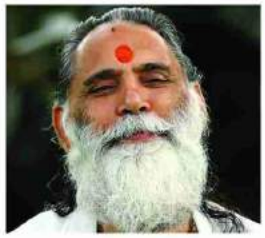

विज्ञान के माध्यम से भौतिकवादी विकास-विस्तार वर्तमान में चरम पर है। यह विकास समय के साथ बुरा नहीं, लेकिन जिस ढंग से संस्कारों का ह्रास हो रहा है, वह निश्चित ही चिन्ता का विषय है। युवाओं की नई पीढ़ी के साथ साथ यौवन मूल्यों के प्रति उदासीनता, समता-समरसता अपनी मूल भारतीय विशिष्टता के आगे प्रश्न चिह्न, मानवीय मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं का गिरता स्तर आज एक गम्भीर चुनौती के रूप में है।

हमें प्रसन्नता है कि 'संस्कार जागृति मिशन' इस दिशा में समर्पित संकल्पित भाव से जागरूक पहल के लिये तत्पर हुआ है। मिशन के सभी सदस्यों और इस विषय में प्रकाशित हो रही संस्कार जागृति पत्रिका को हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

श्री कृष्ण कृपा धाम, परिक्रमा मार्ग, श्रीवृन्दावन (मथुरा) 281121
0565-2540106, 2540418 gieogita@gmail.com, website : gieogita.com

संपादकीय

विवेक प्रिय आर्य
सम्पादक

मानव कल्याण की महान परम्पराओं में जितने भी आयोजन एवं अनुष्ठान हैं, उनमें सबसे बड़ी परम्परा संस्कारों की है। संस्कार वे उपचार हैं जिनके माध्यम से मनुष्य को सुसंस्कृत बनाना सबसे अधिक संभव एवं सरल है। भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्षों के अनुभव के पश्चात यह निष्कर्ष निकाला था कि मनुष्य जीवन केवल खाने-पीने और मौज उड़ाने के लिए नहीं है वरन् इससे भी श्रेष्ठ उद्देश्य जीवन का निर्माण करना है, जिससे वास्तव में मनुष्य मनुष्य बनता है। ''आवश्यकता आविष्कार की जननी है'' उन्होंने ऐसे-ऐसे उपाय खोज निकाले जिससे मनुष्य सच्चे अर्थों में मनुष्य बन जाता है। इन उपायों का नाम उन्होंने संस्कार रखा। हीरे और जवाहरात जिस स्थिति में बाजार में देखे जाते हैं, उस हालात में वह खानों में नहीं निकलते। उनको खराद पर चढ़ाया जाता है तब वह निखरते हैं। विधिवत संस्कार द्वारा ही उसकी शोभा बढ़ती है। बाग में सुंदर वृक्ष सुशोभित करने के लिए माली को उसकी बड़ी देखभाल करनी पडती है खाद, पानी, नराई, कांट -छांट आदि अनेक प्रक्रियाओं के द्वारा ही वह पौधे को मनचाहे रूप में बनाता है। जहां इस प्रकार के संस्कार करने वाला माली नहीं होता वहां पौधे अस्त व्यस्त और विकृत रूप में पडे रहते हैं। भारतीय ऋषियों ने नर-पशु से महामानव बनाने की विधि का आविष्कार किया, जिसे संस्कार नाम दिया गया। आज संसार में भ्रष्टाचार उन लोगों से नहीं फैल रहा जिनके पास खाने को रोटी नहीं, पहनने को पानी नहीं, रहने को मकान नहीं। भ्रष्टाचार उन लोगों से फैल रहा है, जिनके पास सब कुछ है। इसलिए यह समझना कि मूल समस्या रोटी कपड़े की है, गलत है। रोटी, कपड़े की समस्या है इससे इंकार नहीं किया जा सकता है, परंतु समाज की दृष्टि में मूल समस्या मानव को मानव बनाने की है। आज समाज सुधारक भी अपनी ओर से अनेक उपाय कर रहे हैं। धार्मिक संगठन भी दिन रात व्यक्तियों को धर्मात्मा बनाने के लिए अरबों रूपये पानी की तरह बहा रहे हैं। कथा कीर्तन की बाढ़ आ रही है, विद्यालयों की बाढ़ आ रही है, परंतु समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। वही कहावत सिद्ध हो रही है कि ''मर्ज बढ़ता ही गया ज्यों ज्यों दवा दी''।

इन सब सवालों का असफल होना यह सिद्ध करता है कि हमारे सारे प्रयत्न ठीक दिशा में नहीं हो रहे हैं। इस विषम परिस्थिति का एकमात्र समाधान है कि हम अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय जीवन में संस्कारों का पदार्पण करें। ''संस्कार जागृति मिशन'' का मूल उद्देश्य सोलह संस्कारों को घर परिवारों में पुनःस्थापित करना है। एक भी ऐसा परिवार शेष न रहे जिनके घरों में सोलह संस्कारों की परम्परा न हो। हम सब यह व्रत लें कि स्वामी दयानंद ने जो संस्कार विधि में संस्कारों की विधि लिखी है, उसके अनुसार संस्कार करेंगे। यह वेद और ऋषियों का संविधान है और हमें इसका पालन करना है। सोलह संस्कार और पंच महायज्ञ प्रत्येक घर में हों। गायत्री मंत्र की उपासना और संध्योपासना हमारे बच्चों को करनी आनी चाहिए।

विवेक प्रिय आर्य

(विवेक प्रिय आर्य)
सम्पादक : संस्कार जागृति (डिजीटल पत्रिका)

संस्कार किसे कहते हैं?

संस्कार शब्द ही संस्कारों की महत्ता को बताता है। इस शब्द की निष्पत्ति इस प्रकार है- सम् उपसर्ग पूर्वक कृञ् धातु से धृञ् प्रत्यय लगाने से और भूषण अर्थ को द्योतित करने वाले सुट् का आगम, पाणिनी के 'सम्पर्युभ्यः करौतौ भूषणे' सूत्र से होता है। जिसका अर्थ होता है -

''संस्क्रयते अलंक्रियते शरीरादिर्येन स संस्कारः''

अर्थात् जिससे शरीर और आत्मा अलंकृत हो जाते हैं उसे संस्कार कहते हैं। दूसरे रुप में जिस क्रिया से मन वाणी उत्तम हो उसे संस्कार कहते हैं।

''संस्कारो हि गुणान्तरा धानं मुच्यते''

अर्थात् पहले से विद्यमान दुर्गुणों को हटाकर उनकी जगह सद्‌गुणों का आद्यान करने को संस्कार कहते हैं।

आत्मा जब-जब शरीर में आता है तब-तब वैदिक संस्कृति की व्यवस्था से संस्कारों की श्रृंखला से उसे ऐसा घेर दिया जाता है, जिससे उस पर कोई अशुभ संस्कार पडने ही नहीं पाता हैं। वैदिक संस्कृति में मनुष्य को बिल्कुल बदलकर उसमें आमूल-चूल परिवर्तन करने का जो प्रयास किया जाता है, उसे संस्कार कहते हैं। संस्कार का अर्थ वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य समाज में रहने के योग्य बन जाता है। वैदिक संस्कति की जो विचारधारा है उसके अनुसार यह जन्म पिछले व अगले जन्म यह सब संस्कारों द्वारा मानस शोधन का सिल-सिला है। संस्कारों की लगातार चोट से आत्म तत्व पर पडी माया को धो डालने का प्रयत्न है। जैसे एक मां बाजार से साग सब्जी खरीदकर लाती है। क्या उसे वैसे ही पका देती है? नहीं उसको बीनती है, धोती है, काटती है और फिर उसमें मसाले आवश्यकतानुसार डालकर स्वादुव्यंजन तैयार कर देती है, इसी का नाम संस्कार है। एक माली समय-समय पर पौधा की कांट-छांट करता है, इससे उसका बगीचा आकर्षण लगने लगता है। ये कटिंग करना ही संस्कार करना है। यह संस्कार भी छोटे-छोटे पौधौं का ही होता है। जो पेड़ बन गये हैं उन्हे आकृति में ढालना कठिन होता है।

अर्चना प्रियार्य

(डा.अर्चना प्रिय आर्या)

एम.ए. (संस्कृत/हिन्दी), पी.एच.डी. (संस्कृत)

संस्थापक अध्यक्ष : संस्कार जागृति मिशन

Sanskar Jagrati Mission

follow us on twitter

"like" us on facebook

Contact To Join Our Mission

09719910557 / 09058860992

कवि की कलम से...

निराश आशा

हर सफर में हमसफर गर मिल गया,
तो जिंदगी का अर्थ ही बदल गया।
हमसफर, हमख्याल एक सौभाग्य है,
जिंदगी पर अन्ततः, दुर्भाग्य है।।

शांत औं अनुकूल पथ पर सोचता,
जा रहा था मैं चला यह खोजता।
मिलेगा मरूद्यान आगे राह में,
करूंगा आराम ऐसी चाह में।।

फिर अचानक एक दिन तूफान आया,
भय जनित अवसाद को भी साथ लाया।
गरजते थे मेघ काले क्षार जलयुत,
चमकती विष वारिणी सी काल विद्युत

रूक गया पथ पर मैं आगे बढ़ न पाया,
हो गया असहाय साहस कर न पाया।
अगम पथ पाथेय बिन चहुंओर तम था,
दु:ख भय से युक्त मौसम अति विषम था।।

किंतु जीवन की यहीं तो इति नहीं है,
नियम परिवर्तन प्रकृति का ही सही है।
सोचता हूं फिर बढ़ाऊं कदम आगे,
क्या पता फिर से मेरा सौभाग्य जागे।।

राज सिंह
(सहायक आयुक्त पुलिस)
दिल्ली

है वक्त बहुत नाजुक फिर भी हिम्मत से इसे जिया जाये

यौवन का जोश दिखाई दे, आंखों में रोष दिखाई दे।
चुक गई सभी की सहनशक्ति, पल पल आक्रोश दिखाई दे।।
चेहरों से नफरत छलक रही, बनके शिव गरल पिया जाये।
है वक्त बहुत नाजुक फिर भी, हिम्मत से इसे जिया जाये।।

आता है वक्त बुरा जब भी, तो हर कोई घबराता है।
ज्ञानी तक याद न रख पाते, ये वक्त तो आता जाता है।।
मन भले भटकने लग जाये, फूलों को खार नहीं करना।
आसक्त किसी पर हो लेकिन, अनुचित व्यवहार नहीं करना।।

उस पर यदि सिया हरण वाला, अपराधिक दंश नहीं होता।
तो वंश दशानन रावण का, हरगिज विध्वंस नहीं होता।।
हो गई अगर गलती कोई, उस पर शोध किया जाये।
है वक्त बहुत नाजुक फिर भी, हिम्मत से इसे जिया जाये।।

कवि मनवीर 'मधुर'
(ओजस्वी गीतकार)
मथुरा

संस्कार जागृति मिशन की आवश्यकता क्यों?

आचार्य सत्यप्रिय आर्य
(संरक्षक)
संस्कार जागृति मिशन

..........भारतीय संस्कृति, विचार व संस्कारों को पुन: जागरण करने के उद्देश्य से कार्य कर रही और वैदिक विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा रही संस्था **''संस्कार जागृति मिशन''** का मुख्य उद्देश्य मनुष्य की भौतिक आवश्यकाताओं को पूरा करने के साथ-साथ एक ऐसी योजना को हाथ में लेना है, जिससे नव मानव का निर्माण हो सके। संस्कार का अर्थ है किसी वस्तु के रूप को बदल देना, उसे नया रूप दे देना। वैदिक संस्कृति में मानव जीवन के लिए सोलह संस्कारों का विधान है। इसका अर्थ यह है कि जीवन में मानव जीवन को बदलने का सोलह बार प्रयत्न किया जाता है। जैसे सुनार अशुद्ध सोने को अग्नि में डालकर उसका संस्कार करता है, उसी प्रकार बालक के उत्पन्न होते ही उसे संस्कारों की भट्टी में डाल, उसके दुर्गुणों को निकालकर उसमें सद्गुणों का आधान करने का प्रयत्न किया जाता है। इस योजना को संस्कारों की योजना कहना उचित है। यही मुख्य रूप से संस्कार जागृति मिशन का मुख उद्देश्य है। मानव में आज संस्कारों का आभाव है। कैसे हो इस अभाव की पूर्ति? वेद मां हमारा मार्गदर्शन करती है ''मनुर्भव जनया दैव्यंजनम्'' अर्थात् मानव तू मानव बन और दिव्य संतान का निर्माण कर। हर वस्तु का मूल्य उसके फल से जाना जाता है, आपका फल है आपकी संतान। आप आदर्श हैं इसकी कसौटी है आपकी श्रेष्ठ संतान। और श्रेष्ठ संतान का निर्माण संस्कार ही हैं।

ऐसी योजना हमारे बीच लेकर आयीं **डा.अर्चना प्रिय आर्य जी**, जिन्होंने विगत बीस वर्षों से गांव-गांव शहर-शहर घूमकर संस्कारों को पुर्नजागरण का करने के लिए अभियान चला रहीं हैं। राष्ट्र की सारी समस्याओं का समाधान संस्कारित संतान करने में है। इसी योजना के तहत उन्होंने संस्कार जागृति मिशन की स्थापना करके राष्ट्र की खोई हुई चरित्र शक्ति को पुन:स्थापित करके फिर से देश को विश्वगुरू के पद पर आसीन करना है। हम सभी इस संस्कार जागृति मिशन से जुडें और घरों में 16 संस्कारों को महत्व दें क्योंकि हमारे बच्चे ही भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं और मनुष्य संस्कारों के माध्यम से ही मुक्ति, मोक्ष, आनंद को प्राप्त करके अपने जीवन को सफल, धन्य और सार्थक कर सकता है......।

रजि. : मथुरा 63/2019
संस्कार जागृति मिशन
संस्कार जागृति मिशन
(एक ऐसा प्रयास जो भारतीय संस्कृति व संस्कारों को पुन: जागृत करने में अहम भूमिका निभा रहा है)
प्रधान कार्यालय : 52, ताराधाम कॉलोनी, पुष्पांजलि द्वारिका के पास, पोस्ट-अड़ूकी, मथुरा (उ.प्र.) 281006
मिशन से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें : 9719910557, 8218692727, 9058860992

स्वास्थ्य चर्चा

दांत दर्द का घरेलू उपाय

दांतों का दर्द असहनीय होता है और कारण अनेक। अगर तुरंत इस दर्द के निदान के लिए डॉक्टर के पास जाना संभव नहीं है तो कुछ घरेलू नुस्खे इस दर्द को कम करने में आपकी मदद कर सकते हैं : -

■ दांत दर्द को कम करने के लिए नमक वाला पानी कई लोगों के लिए प्रभावी साबित होता है। नमक वाला गुनगुना पानी दांतों के बीच फंसे खाद्य पदार्थों को हटाने के अलावा जलन सूजन को कम करने और मुंह के भीतर के घाव को ठीक करने में मदद करता है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर इसका इस्तेमाल माउथ वॉश के रूप में करें।

■ तौलिया में बर्फ के टुकड़ों को लपेटकर उससे प्रभावित हिस्से की 15-20 मिनट तक सिंकाई करें।

■ रूई में लौंग का तेल लगाकर उसे प्रभावित हिस्से में लगाएं। दिन भर में तीन से चार बार ऐसा करने से सूजन और दर्द में राहत मिलती है।

■ लहसुन नुकसानदायक बैक्टीरिया का खात्मा करके दांत दर्द से राहत पहुंचाता है। लहसुन का पेस्ट या तो प्रभावित हिस्से में लगाएं या फिर लहसुन की कली में हल्का सा नमक लगाकर उसे चबाएं।

स्वास्थ्य के बारे में जानें

सोने से पहले न करें इन चीजों का सेवन

आइसक्रीम

आइसक्रीम में वसा की मात्रा अधिक होती है। देर रात इसे खाने से एसिडिटी बनती है।

चौकलेट

चौकलेट में कैफीन की मात्रा होती है जो आपकी नींद में खलल डालती है।

चाय

सभी प्रकार के चायों में कैफीन होता है, ये आपकी नींद के लिए बेहद हानिकारक होते हैं।

पिज्जा

पिज्जा में भारी मात्रा में फैट मौजूद होता है. इससे आपका पाचनतंत्र बुरी तरह से प्रभावित होता है।

सोडा ड्रिंक्स

सोडा डिंक्स में भारी मात्रा में कैलोरी होती है। इसे पीने से सेहत का काफी नुकसान होता है

संस्कार जागृति मिशन की गतिविधियां

नौहझील (मथुरा) में आयोजित वैदिक कार्यक्रम में विचार प्रस्तुत करतीं संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी। मंचस्थ हैं आचार्य स्वदेश जी महाराज, आचार्य सत्यप्रिय आर्य जी व अन्य।

पुलवामा के आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को टीम के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करते संस्कार जागृति मिशन के सचिव विवेक प्रिय आर्य जी।

वैदिक कार्यक्रम में संस्कार जागृति मिशन के संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य जी व अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी को पगडी पहनाकर सम्मानित करते आयोजक।

खेड़ी राजपूताना (मेरठ) में आयोजित अमृत महोत्सव-सर्वमेध यज्ञ में विचार प्रस्तुत करतीं संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी

संस्कार जागृति मिशन की गतिविधियां

सादाबाद (हाथरस) क्षेत्र के नगला घनी में आयोजित आर्य महासम्मेलन को सम्बोधित करतीं संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी व संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य जी।

ऊंचागांव में संस्कार जागृति मिशन द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के गुलाल लगाती मिशन की उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य जी।

फतेहपुर सीकरी की पूर्व सांसद श्रीमती सीमा उपाध्याय जी के साथ संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य।

संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में आयोजित होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते पदाधिकारीगण।

संस्कार जागृति मिशन की गतिविधियां मीडिया की नजरों में

आगरा
सोमवार, 18 फरवरी, 2019
www.dlamedia.com DLA

वैदिक कार्यक्रम को संबोधित करतीं संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य। Photo-DLA

छोटे बच्चों को योग का संस्कार दें: डॉ. अर्चना

नौहझील/ मथुरा। माता पिता को संतानों को संस्कारित करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत करना चाहिए, क्योंकि भारत का कुछ नहीं बिगाड़ा दुश्मन की तलवारों ने, भारत को बर्बाद किया है भारत के गद्दारों ने। यह बातें कस्बा नौहझील में आयोजित वैदिक कार्यक्रम में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य ने कहीं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में योग का संस्कार बने। हम जो भी बार-बार करते हैं, उसी का संस्कार बन जाता है, वही स्वभाव-आदत बन जाता है और वही हमारी जीवनशैली बन जाती है। जब बचपन से ही योग, यज्ञ, सत्संग, भजन कीर्तन का स्वभाव व संस्कार बन जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता रामबाबू कटैलिया व संचालन विपिन बिहारी आर्य ने किया। सुबह हवन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आचार्य सत्यप्रिय आर्य, रामगोपाल महाशय, रामबिहारी आर्य, देव मुनि जी, कपिल प्रताप सिंह, छेदालाल पाठक, राजवीर वैद्य आदि मौजूद थे।

17 फरवरी 2019 | राजपथ मथुरा

संतानों को करें राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत: डॉ. अर्चना

नौहझील में पांच दिवसीय वैदिक कार्यक्रम का समापन

मथुरा, (राजपथ ब्यूरो)। माता पिता को संतानों को संस्कारित करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत करना चाहिए। क्योंकि भारत का कुछ नहीं बिगाड़ा दुश्मन की तलवारों ने, भारत को बर्बाद किया है भारत के गद्दारों ने। यह बातें कस्बा नौहझील में आयोजित वैदिक कार्यक्रम में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य ने कहीं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में योग का संस्कार बने। हम जो भी बार बार करते हैं, उसी का संस्कार बन जाता है, वही स्वभाव- आदत बन जाता है और वही हमारी जीवनशैली बन जाती है। जब बचपन से ही योग, यज्ञ, सत्संग, भजन कीर्तन का स्वभाव व संस्कार बन जायेगा। इसीसे चरित्र निर्माण व राष्ट्र निर्माण होगा।

आचार्य स्वदेश महाराज ने कहा कि आदमी के बुरे कर्म उसे चैन से कभी सोने नहीं देते हैं, इसलिए अच्छे कर्म करने चाहिए। इस दौरान आयोजक जगदीश अग्रवाल द्वारा सभी विद्वानों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता रामबाबू कटैलिया व संचालन विपिन बिहारी आर्य ने किया। प्रातःकाल की बेला में हवन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आचार्य सत्यप्रिय आर्य, रामगोपाल महाशय, रामबिहारी आर्य, देव मुनि जी, कपिल प्रताप सिंह, छेदालाल पाठक, राजवीर वैद्य आदि थे।

हिन्दुस्तान • आगरा • सोमवार • 18 फरवरी 2019 •

संस्कार जागृति मिशन ने शहीद पंकज को दी श्रद्धांजलि : मथुरा। ब्रज के जांबाज पंकज नौहवार को संस्कार जागृति मिशन ने शिवबालानाथ नगर में श्रद्धांजलि अर्पित की। मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य ने कहा कि आज पूरे देश को जांबाज शहीद पंकज नौहवार की शहादत पर गर्व है।

मिशन के सचिव विवेक प्रिय आर्य ने कहा कि पाकिस्तान की गीदड़ भभकियों का भारत के वीरों ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। मिशन के प्रवक्ता नवीन शर्मा ने कहा कि सभी को सेना का हौसला बढ़ाना चाहिए। इस दौरान संरक्षक सत्यप्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, मोनू जाट, हेमंत सैन, एससी शर्मा, राहुल और निहाल सिंह आदि उपस्थित थे।

अमर उजाला, मथुरा, 19 फरवरी 2019 — दैनिक जागरण

संतानों को करें राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत : डॉ. अर्चना

जासं, मथुरा: माता-पिता को संतानों को संस्कारित करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत करना चाहिए। कारण भारत का कुछ नहीं बिगाड़ा दुश्मन की तलवारों ने, भारत को बर्बाद किया है भारत के गद्दारों ने। यह बातें कस्बा नौहझील में आयोजित वैदिक कार्यक्रम में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य ने कहीं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में योग का संस्कार बने। हम जो भी बार-बार करते हैं, उसी का संस्कार बन जाता है, वही स्वभाव-आदत बन जाता है और वही हमारी जीवनशैली बन जाती है। आचार्य स्वदेश महाराज ने कहा कि आदमी के बुरे कर्म उसे चैन से कभी सोने नहीं देते हैं, इसलिए अच्छे कर्म करने चाहिए। आयोजक जगदीश अग्रवाल ने विद्वानों का स्वागत किया गया। अध्यक्षता किसान नेता रामबाबू कटैलिया व संचालन विपिन बिहारी आर्य ने किया। सुबह हवन किया गया। आचार्य सत्यप्रिय आर्य, रामगोपाल महाशय, रामबिहारी आर्य, देव मुनि, कपिल प्रताप सिंह, छेदालाल पाठक, राजवीर वैद्य आदि मौजूद थे। (वि)

आज ब्रजभूमि — आगरा, १६ फरवरी २०१९

संस्कार जागृति मिशन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मथुरा। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को टाउनशिप स्थित ताराधाम कालोनी में संस्कार जागृति मिशन के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य ने कहा कि हमारे सीआरपीएफ के जवानों पर जिस प्रकार कायरतापूर्ण धोखे से हमला किया गया है, वह अत्यंत दुःखदायी है और इससे देश की बहुत बड़ी क्षति हुई है। हमले से देशवासियों में गुस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कठोर निर्णय लेते हुए इस घटना का तुरंत बदला लेना चाहिए और आतंकियों के आकाओं पर सख्त कार्यवाही हो। मिशन के सचिव विवेक प्रिय आर्य ने कहा कि आतंकवादियों को इस कृत्य के लिए कभी नहीं भूलने वाला सबक सिखाया जाना चाहिए। संरक्षक सत्यप्रिय आर्य व प्रवक्ता नवीन शर्मा ने भी भारत सरकार से सख्त कार्यवाही की बात कही। इस दौरान सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गयी। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में कपिल प्रताप सिंह, एससी शर्मा, निहाल सिंह, लव गौर, हेमंत सेन, नीरज राठौर, राहुल सिंह सिकरवार आदि थे।

THE SEA EXPRESS
आगरा, सोमवार, 18 फरवरी 2019

संतानों को करें राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत: डॉ. अर्चना प्रिय

मथुरा। माता पिता को संतानों को संस्कारित करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत करना चाहिए। क्योंकि भारत का कुछ नहीं बिगाड़ा दुश्मन की तलवारों ने, भारत को बर्बाद किया है भारत के गद्दारों ने। यह बातें कस्बा नौहझील में आयोजित वैदिक कार्यक्रम में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य ने कही। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में योग का संस्कार बने। हम जो भी बार बार करते हैं, उसी का संस्कार बन जाता है, वही स्वभाव-आदत बन जाता है और वही हमारी जीवनशैली बन जाती है। जब बचपन से ही योग, यज्ञ, सत्संग, भजन कीर्तन का स्वभाव व संस्कार बन जायेगा। उसीसे चरित्र निर्माण व राष्ट्र निर्माण होगा। आचार्य स्वदेश महाराज ने कहा कि आदमी के बुरे कर्म उसे चैन से कभी सोने नहीं देते हैं, इसलिए अच्छे कर्म करने चाहिए। इस दौरान आयोजक जगदीश अग्रवाल द्वारा सभी विद्वानों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता रामबाबू कटैलिया व संचालन विपिन बिहारी आर्य ने किया।

28 फरवरी 2019 | राजपथ मथुरा

निधन पर शोक व्यक्त

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो)। संस्कार जागृति मिशन के पदाधिकारियों ने ताराधाम कॉलोनी स्थित कार्यालय पर मिशन के सहयोगी समाजसेवी व उद्योगपति वीरेंद्र गौतम के पुत्र आशीष गौतम भावनगर के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान सभी ने दो मिनट मौन रख श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति व परिवार को इस कष्ट की घड़ी में दुःख सहन करने की कामना की। शोक व्यक्त करने वालों में मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य, संरक्षक सत्यप्रिय आर्य प्रधान, सचिव विवेक प्रिय आर्य, नवीन शर्मा, कपिल प्रताप सिंह, हेमंत सैन, लव गौर, नीति प्रिय आर्य, राहुल, मनीश शर्मा आदि थे।

हिन्दुस्तान • रविवार • 16 फरवरी 2019

संस्कार जागृति मिशन ने अर्पित की श्रद्धांजलि: जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को टाउनशिप स्थित ताराधाम कॉलोनी में संस्कार जागृति मिशन के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान डा. अर्चना प्रिय आर्य, विवेक प्रिय आर्य, सत्यप्रिय आर्य व नवीन शर्मा ने भारत सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की।

हिन्दुस्तान • आगरा • शुक्रवार • 15 फरवरी 2019 •

नारी राष्ट्र की ब्रह्मा है: अर्चना प्रिय

नौहझील। उपदेशक डॉ. अर्चना प्रिय आर्य ने कहा कि नारी इस राष्ट्र की ब्रह्मा है, राष्ट्र की निर्मात्री है। कस्बा नौहझील स्थित मथुरा रोड पर चल रहे वैदिक कार्यक्रम में दूसरे दिन प्रवचन करते हुए उन्होंने नारी शक्ति के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपदेशक नरदेव बेनीवाल ने समाज में फैली कुरीतियों पर चर्चा की। रामगोपाल महाशय ने रामायण और गीता के अनेकों उदाहरण देकर ईश्वर को निराकार बताया। स्वामी संपूर्णानंद ने दुःख से छूटने के उपाय बताए। आर्य समाज के जिला प्रधान विपिन बिहारी आर्य ने कहा कि आर्य समाज कोई धर्म नहीं है। यजमान जगदीश प्रसाद अग्रवाल, योगेंद्र सिंह, वैद्य राजवीर आर्य, उत्तमचंद स्वर्णकार, मोतीलाल, देव मुनि वानप्रस्थी, ब्रह्मचारी युद्धवीर सिंह, रामबिहारी आर्य आदि उपस्थित थे।

आज ब्रजभूमि

संस्कार जागृति मिशन ने शहीद पंकज को दी श्रद्धांजलि

THE SEA EXPRESS — आगरा, सोमवार, 04 मार्च 2019 — www.theseaexpress.com

संस्कार जागृति मिशन ने शहीद पंकज को दी श्रद्धांजलि

मथुरा। जम्मू कश्मीर के बडगांव में वायुसेना के स्पेशल ऑपरेशन के लिए उड़ान भरते वक्त शहीद हुए ब्रज के जांबाज एयरमैन पंकज नौहवार को संस्कार जागृति मिशन से जुड़े लोगों ने शिवबालानाथ नगर में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य जी ने कहा कि आज पूरे देश को जांबाज शहीद पंकज नौहवार की शहादत पर गर्व है। हमारे जवानों के कारण ही हम अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं। हमें ऐसे भारत मां के सपूतों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीद पंकज को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब देश से आतंकवाद का जड़ से खात्मा हो जायेगा मिशन के सचिव विवेक प्रिय आर्य ने कहा कि पाकिस्तान ने जब-जब गीदड़ भभकियां भारत को दी गयीं हैं, तब-तब हमारे वीर सपूतों ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। मिशन के प्रवक्ता नवीन शर्मा ने कहा कि इस समय पूरे विश्व को राजनीति न कर एक होकर सेना का हौसला बढ़ाना चाहिए और आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों में सहयोग देना चाहिए।

16 मार्च 2019 | राजपथ मथुरा | 2

देश में संस्कार जागृति की जरूरत: डा. अर्चना

-नगला धनी में आयोजित हुआ आर्य महासम्मेलन

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो)। जब हमारे संस्कार मजबूत होंगे तभी हमारी सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो पायेगी और भारतवर्ष अपने गौरवशाली वैभव को अक्षुण्ण बनाए रख सकेगा। यह तभी संभव है जब संतानों को स्वयं समय देना होगा। माता पिता के अलावा और किसी के भरोसे संस्कारों का निर्माण नहीं हो सकता है। उक्त बातें शाहदरा क्षेत्र गांव नगला धनी में चल रहे आर्य महासम्मेलन में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा. अर्चना प्रिय आर्य ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज हमारे घरों से संस्कार विलुप्त होते जा रहे हैं, मां बाप को इस ओर ध्यान देना होगा और संस्कारों के फिर से जागृत करना होगा। डा. आर्य ने कहा कि अपने बच्चों को कार देना या मत देना लेकिन संस्कार जरूर देना। मिशन के संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य ने कहा कि आज परिवार जो टूट रहे हैं माता-पिता अपनी संतानों से परेशान हैं उसका मुख्य कारण घरों से संस्कारों का उजड़ना है। प्रातःकालीन बेला में यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें याज्ञिकों द्वारा आहुति प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाशय रामगोपाल, रतन सिंह, रामवीर सिंह पूर्व प्रधान, धीरी सिंह, स्वामीजी खोड़ा, मुरलाल, लक्ष्मणदेव, छिद्दी सिंह, गौतम सिंह आदि मौजूद रहे।

THE SEA EXPRESS — आगरा, शनिवार, 23 मार्च 2019

संस्कार जागृति मिशन ने किया होली मिलन समारोह

मथुरा। संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भजन व रंगारंग कार्यक्रम किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट रहे। इस अवसर पर श्री उपमन्यु ने कहा कि होली का त्योहार आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक है। इसमें आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर मिलजुलकर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस दौरान मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य व संरक्षक सत्यप्रिय आर्य ने मुख्य अतिथि को गुलाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह में मिशन अध्यक्ष डॉ अर्चना प्रिय आर्य व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य द्वारा भजन सुनाए गए। अंत में आभार सत्यप्रिय आर्य द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक प्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, रामप्रकाश आर्य, लखन सिंह, सरोज रानी, सत्यवती देवी, उत्कर्ष प्रताप, आराध्या, तमोहर, प्रवीण, सोनू व्यास आदि मौजूद रहे।

16 मार्च 2019 | ब्रज गरिमा

देश में संस्कार जागृति की जरूरत : डा.अर्चना प्रिय

मथुरा. हमारे संस्कार मजबूत होंगे तभी हमारी सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो पायेगी और भारतवर्ष अपने गौरवशाली वैभव को अक्षुण्ण बनाए रख सकेगा। यह तभी संभव है जब संतानों को स्वयं समय देना होगा। माता पिता के अलावा और किसी के भरोसे संस्कारों का निर्माण नहीं हो सकता है। उक्त बातें शाहदरा क्षेत्र गांव नगला धनी में चल रहे आर्य महासम्मेलन में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आज हमारे घरों से संस्कार विलुप्त होते जा रहे हैं, मां बाप को इस ओर ध्यान देना होगा और संस्कारों के फिर से जागृत करना होगा। डा आर्य ने कहा कि अपने बच्चों को कार देना या मत देना लेकिन संस्कार जरूर देना। मिशन के संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य ने कहा कि आज परिवार जो टूट रहे हैं, माता पिता अपनी संतानों से परेशान हैं उसका मुख्य कारण घरों से संस्कारों का उजड़ना है। प्रातःकालीन बेला में यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें याज्ञिकों द्वारा आहुति प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाशय रामगोपाल, रतन सिंह, रामवीर सिंह पूर्व प्रधान, धीरी सिंह, स्वामीजी खोड़ा, मुरलाल, लक्ष्मणदेव, छिद्दी सिंह, गौतम सिंह आदि मौजूद रहे।

मथुरा । शुक्रवार । 16 मार्च 2019 — छोटीसीबात

देश में संस्कार जागृति की जरूरत

मथुरा (छोटी सी बात)। हमारे संस्कार मजबूत होंगे तभी हमारी सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो पायेगी और भारतवर्ष अपने गौरवशाली वैभव को अक्षुण्ण बनाए रख सकेगा। यह तभी संभव है जब संतानों को स्वयं समय देना होगा। माता पिता के अलावा और किसी के भरोसे संस्कारों का निर्माण नहीं हो सकता है। उक्त बातें शाहदरा क्षेत्र गांव नगला धनी में चल रहे आर्य महासम्मेलन में संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष डा.अर्चना प्रिय आर्य ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज हमारे घरों से संस्कार विलुप्त होते जा रहे हैं, मां बाप को इस ओर ध्यान देना होगा और संस्कारों के फिर से जागृत करना होगा। डा.आर्य ने कहा कि अपने बच्चों को कार देना या मत देना लेकिन संस्कार जरूर देना। मिशन के संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य ने कहा कि आज परिवार जो टूट रहे हैं, माता पिता अपनी संतानों से परेशान हैं उसका मुख्य कारण घरों से संस्कारों का उजड़ना है। प्रातःकालीन बेला में यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें याज्ञिकों द्वारा आहुति प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाशय रामगोपाल, रतन सिंह, रामवीर सिंह पूर्व प्रधान, धीरी सिंह, स्वामीजी खोड़ा, मुरलाल, लक्ष्मणदेव, छिद्दी सिंह, गौतम सिंह आदि मौजूद रहे।

सांध्य हलचल (हिन्दी दैनिक), लखनऊ शनिवार, 23 मार्च 2019

संस्कार जागृति मिशन ने किया होली मिलन समारोह

उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष रहे मुख्य अतिथि

होली आपसी प्रेम व सौहार्द का त्यौहार: उपमन्यु

संस्कार जागृति मिशन के होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु को स्मृति चिन्ह भेंट करते मिशन के पदाधिकारी।

मथुरा। संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भजन व रंगारंग कार्यक्रम किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट रहे। इस अवसर पर श्री उपमन्यु ने कहा कि होली का त्योहार आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक है। इसमें आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर मिलजुलकर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस दौरान मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य व संरक्षक सत्यप्रिय आर्य ने मुख्य अतिथि को गुलाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह में मिशन अध्यक्ष डॉ अर्चना प्रिय आर्य व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य द्वारा भजन सुनाए गए। अंत में आभार सत्यप्रिय आर्य द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक प्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, रामप्रकाश आर्य, लखन सिंह, सरोज रानी, सत्यवती देवी, उत्कर्ष प्रताप, आराध्या, तमोहर, प्रवीण, सोनू व्यास आदि मौजूद रहे।

आज ब्रजभूमि — आगरा, 23 मार्च 2019 7

होली आपसी प्रेम और सौहार्द का त्यौहार-उपमन्यु

मथुरा। संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भजन व रंगारंग कार्यक्रम किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट रहे। इस अवसर पर श्री उपमन्यु ने कहा कि होली का त्योहार आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक है। इसमें आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर मिलजुलकर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस दौरान मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। मिशन की अध्यक्ष डा. अर्चना प्रिय आर्य व संरक्षक सत्यप्रिय आर्य ने मुख्य अतिथि को गुलाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह में मिशन अध्यक्ष डा. अर्चना प्रिय आर्य व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य द्वारा भजन सुनाए गए। अंत में आभार सत्यप्रिय आर्य द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक प्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, रामप्रकाश आर्य, लखन सिंह, सरोज रानी, सत्यवती देवी, उत्कर्ष प्रताप, आराध्या, तमोहर, प्रवीण, सोनू व्यास आदि मौजूद रहे।

23 मार्च 2019 | राजपथ मथुरा

संस्कार जागृति का धूमधाम से मना होली मिलन समारोह

होली आपसी प्रेम व सौहार्द का त्यौहार: उपमन्यु

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो)। संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भजन व रंगारंग कार्यक्रम किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एड. ने कहा कि होली का त्योहार आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक है। इसमें आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर मिल जुलकर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस दौरान मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। मिशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना प्रिय आर्य व संरक्षक सत्यप्रिय आर्य ने मुख्य अतिथि को गुलाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह में मिशन अध्यक्ष डॉ. अर्चना प्रिय आर्य व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य द्वारा भजन सुनाए गए। अंत में आभार सत्यप्रिय आर्य द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर विवेक प्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, रामप्रकाश आर्य, लखन सिंह, सरोज रानी, सत्यवती देवी, उत्कर्ष प्रताप, आराध्या, तमोहर, प्रवीण, सोनू व्यास आदि मौजूद रहे।

दिल्ली, शनिवार, 23 मार्च, 2019

संक्षेप खबरें

संस्कार जागृति मिशन ने किया होली मिलन समारोह

उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष रहे मुख्य अतिथि
होली आपसी प्रेम व सौहार्द का त्यौहार: उपमन्यु

संस्कार जागृति मिशन के होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु को स्मृति चिह्न भेंट करते मिशन के पदाधिकारी।

मथुरा 24 मार्च 2019 सांध्य दैनिक ब्रजउपहार

संस्कार जागृति मिशन ने किया होली मिलन समारोह

होली आपसी प्रेम व सौहार्द का त्यौहार- उपमन्यु

मथुरा,23 मार्च। संस्कार जागृति मिशन द्वारा ऊंचागांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भजन व रंगारंग कार्यक्रम किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपजा प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट रहे। इस अवसर पर श्री उपमन्यु ने कहा कि होली का त्योहार आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक है। इसमें आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर मिलजुलकर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस दौरान मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। मिशन की अध्यक्ष डा. अर्चना प्रिय आर्य व संरक्षक सत्यप्रिय आर्य ने मुख्य अतिथि को गुलाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह में मिशन अध्यक्ष डा. अर्चना प्रिय आर्य व उपाध्यक्ष वंदना प्रिय आर्य द्वारा भजन सुनाए गए। अंत में आभार सत्यप्रिय आर्य द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक प्रिय आर्य, कपिल प्रताप सिंह, रामप्रकाश आर्य, लखन सिंह, सरोज रानी, सत्यवती देवी, उत्कर्ष प्रताप, आराध्या, तमोहर, प्रवीण, सोनू व्यास आदि मौजूद रहे।

''संस्कार जागृति मिशन'' का साहित्य

(संस्कार जागृति मिशन के संरक्षक **आचार्य सत्यप्रिय आर्य जी** व अध्यक्ष **डा.अर्चना प्रिय आर्य जी** द्वारा लिखित साहित्य की श्रृंखला, जोकि अभी केवल ऑनलाइन ही प्राप्त की जा सकती हैं। भविष्य में इन्हें प्रकाशित किया जायेगा। इसमें आप सभी अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं।)

1. मनुज द्विज बनते हैं, संस्कारों से।
2. संस्कार पद्धति द्वारा मानव का निर्माण।
3. संस्कारों द्वारा मानव के नव निर्माण के दृष्टान्त।
4. संस्कारों की पुण्य-परम्परा।
5. संस्कारों का प्रचलन अपने घर से।
6. वर्णाश्रम और संस्कार।
7. वेद और संस्कार।
8. गृहसूत्र और संस्कार।
9. ब्राह्मण ग्रन्थ और संस्कार।
10. उपनिषद और संस्कार।
11. सत्यार्थ प्रकाश और संस्कार।
12. रामायण और संस्कार।
13. पुराण और संस्कार।
14. संस्कारों का वैज्ञानिक स्वरुप।
15. संस्कारों की विज्ञान सम्मत प्रक्रिया।
16. बेटे-बेटियों में भेदभाव क्यों?
17. दया का सागर स्वामी दयानंद।
18. संसार का प्रथम गृहस्थ आर्य था।
19. मैं क्या हूं?
20. संस्कार जागृति पद्धति।
21. संस्कारों का महत्व
22. मानव निर्माण में संस्कारों का वैज्ञानिक प्रयत्न
23. हमारे सोलह संस्कार
24. हिन्दू धर्म में संस्कारों का महत्व
25. देव मानव गढ़ देने वाले ये विलक्षण संस्कार
26. यज्ञ और संस्कार
27. स्मृति और संस्कार।
28. चरक और संस्कार।
29. दर्शन और संस्कार।
30. संस्कार विधि और संस्कार।
31. गीता और संस्कार।
32. महाभारत और संस्कार।
33. मानव जीवन में संस्कारों का औचित्य।
34. संस्कारों की वर्तमानकालीन प्रासंगिकता।
35. मानसिक चिकित्सा की प्रखर पद्धति।
36. बेटी नहीं होगी तो सृष्टी नहीं होगी।
37. देश की स्वतंत्रता में वीरों का योगदान।
38. मादक द्रव्य पदार्थ और हमारा स्वास्थ्य।
39. सृष्टि व्युत्पत्ति कैसे?
40. संस्कारित विचार।

संस्कार जागृति मिशन

संस्कार जागृति मिशन ट्रस्ट (रजि.)

रजि. : मथुरा 63/2019

(एक ऐसा प्रयास जो भारतीय संस्कृति व संस्कारों को पुनः जागृत करने में अहम भूमिका निभा रहा है)

आपका सहयोग

संस्कार जागृति मिशन का पावन उद्देश्य अनवरत जन-जन तक पहुंच सके इसके लिए हम संस्कारित विचारों एवं पवित्र मन से समर्पित होकर संकल्प लें कि मानव सेवा के इस कार्य में अपनी सामर्थ्य के अनुसार अधिक से अधिक सहयोग करें। आइये हम सब इस पवित्र कार्य में सहभागी हों। मिशन का आगामी लक्ष्य ''संस्कार जागृति संस्थान'' बनाने का है, जिसमें संस्कार विहीन बच्चों को संस्कारित कर भारतीय संस्कृति व संस्कारों के प्रति प्रहरी बनाना है। जिससे संस्कारित समाज का निर्माण संभव हो। इसके अलावा आप अपना सहयोग मिशन की पुस्तक प्रकाशन, पत्रिका में विज्ञापन, संस्कार समागम, गरीब बच्चों में निःशुल्क पाठ्य सामग्री वितरण व अन्य प्रकल्पों में दे सकते हैं।

सम्पर्क सूत्र : 09719910557, 08218692727, 09719601088, 09058860992

विज्ञापन

Sanskar Jagrati TV

'संस्कार जागृति टीवी'

Subscribe on

YouTube

धार्मिक खबर, भजन, प्रवचन, योग, संस्कार समागम आदि देखने को हमारे चेनल को सबस्क्राइब करें।

संस्कार जागृति मिशन द्वारा डिजीटल पत्रिका ''संस्कार जागृति'' की शुरूआत के लिए हार्दिक बधाई

आपका अपना

वीरेन्द्र कुमार गौतम

(प्रमुख उद्योगपति, भावनगर, गुजरात)

आपके विचार व सुझाव आमंत्रित हैं

प्रिय साथियों आप भी अपने विचार लेख, कविता, स्वास्थ्य चर्चा या अन्य विषयों पर हमें भेज सकते हैं और अपने सुझाव भी अवश्य प्रेषित करें, जिन्हें हम अपने अगले अंक में प्रकाशित कर सकें। हमें आपकी प्रतीक्षा रहेगी।

E-Mail : sanskarjagratimission@gmail.com 09719910557

!! ओ३म् !!

संस्कार जागृति मिशन

''संस्कारात् द्विज उच्यते''

(संस्कारों से परिष्कृत मनुष्य ही द्विज कहलाते हैं)

एक कदम संस्कारों की ओर

हमारे संस्कार

हमारी पहचान

संस्कार जागृति मिशन ट्रस्ट (रजि.)

कार्यालय : 52, ताराधाम कॉलोनी, पुष्पांजलि द्वारिका के पास, पोस्ट-अडूकी, मथुरा (उ.प्र.) -281006

सम्पर्क सूत्र : 09719910557, 08218692727, 09058860992

ई-मेल : sanskarjagratimission@gmail.com